Sahodaya Pre-Board Examination-(2024-25)
Subject- Hindi (085)
Class-X
Set-1
अंक योजना

	सामान्य निर्देश : • अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। • प्रश्नपत्र में बहूविकल्पीय एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं । • अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं । • यदि परीक्षार्थी इन उत्तर बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ। • मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए । • एक ही प्रकार की अशुद्धि पर अंक न काटा जाए । • मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 से 80 का प्रयोग अभीष्ट है।	
1	**निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**7**
	खंड - क (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)	
क-	(i) ईर्ष्या, द्वेष और विश्वासघात की भावना	**1**
ख-	(iv) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	**1**
ग-	(i) परस्पर समानता और सह-अस्तित्व को आत्मसात करना	**1**
घ-	अशांति के की कारण हैं इसका मुख्य कारण यह भी है कि आज विश्व के अनेक राष्ट्र दूसरे निर्बल और शक्तिहीन राष्ट्र को अपने चंगुल मे फसाएँ रखने के लिए उद्योग करते हैं। इसके लिए वे अपनी निजी शक्ति और आवश्यकताओं को बढ़ाते ही जा रहे हैं। इसके साथ ही अपने समर्थकों को अन्य शक्तिहीन और छोटे राष्ट्रों के प्रति उकसाने की कोशिश में लगे रहते हैं ।	**2**
ड०-	विश्व शांति के लिए भाईचारे की भावना बहुत जरूरी है। भाईचारा, मेल-मिलाप,परस्पर हित-चिंतन की भावना ही विश्व शांति के लिए जरूरी है।	**2**
2	**निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**7**
क-	(iv) सिंधु घाटी की सभ्यता से	**1**

ख-	(i) मूर्ति की भावभंगिमा दर्शाना	**1**
ग-	(i) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।	**1**
घ-	भारत की पहचान पूरे विश्व में कला व संस्कृति के कारण है |भारत में कला व संस्कृति का अनूठा प्रदर्शन हर समय एवं स्थान पर हुआ है		**2**
ड०-	विविध भाषा, संस्कृति धर्म के तानों-बानों, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वाधीनता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास का।	**2**
	खंड- ख (व्यावहारिक व्याकरण)	
3	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**	**4**
क-	संज्ञा पदबंध	1
ख-	विरोध करने वाले व्यक्तियों मे से कोई	1
ग-	खोला जा सकता है	1
घ-	क्रियाविशेषण	1
ड०-	चित्र बनाने वाली	1
4	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**	**4**
क-	नेता की बात सुनकर श्रोता हँस पड़े।	1
ख-	मैंने एक व्यक्ति देखा जो मोटा था।	1
ग-	सरल वाक्य	1
घ-	वामीरों सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी।	1
ड०-	मिश्र वाक्य	1
5	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**	**4**
क-	सात सौ (दोहों) का समाहार – द्विगु समास	1
ख-	पीतांबर – कर्मधारय समास	1
ग-	हरि और हर- द्वंद्व समास	1
घ-	चंद्रशेखर -बहुव्रीहि समास	1
ड०-	(iii) नीलकंठ - (ग) अव्ययीभाव	1
6	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**	**4**
क-	दाँत खट्टे कर दिए	1
ख-	अंधे के हाथ बटेर लगना	1

ग-	किसी के विरुद्ध बुराई करना (छात्रों द्वारा दिए गए सही उत्तर मान्य)	1
घ-	काम-तमाम करना	1
ङ०-	सिद्धांतहीन व्यक्ति	1
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तक)	
7	**निम्नलिखित गद्यांश को पढकर उचित विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए-**	**5**
क-	(iii) मोनुमेंट के नीचे	1
ख-	(iii) शाम को	1
ग-	(ii) पुलिस ने	1
घ-	(ii) श्रद्धानंद पार्क में	1
ङ०-	(iii) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।	1
8	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए |**	**6**
क-	**उत्तर-**लेखक के इस कथन से कि 'तीसरी कसम' फ़िल्म कोई कवि हृदय ही बना सकता था-से हम पूरी तरह से सहमत हैं, क्योंकि कवि कोमल भावनाओं से ओत-प्रोत होता है। उसमें संवेदना, करुणा, भावुकता कूट-कूट कर भरे होते हैं। ऐसी ही सूक्ष्म विचारों व भावनाओं से भरी हुई 'तीसरी कसम' एक ऐसी फ़िल्म है, जिसमें न केवल दर्शकों की रुचियों को ध्यान रखा गया है, बल्कि उनकी रुचियों को परिष्कृत (सुधारने) करने की भी कोशिश की गई है।	2
ख-	**उत्तर-**वास्तव में गांधी जी के नेतृत्व में अद्‌भुत क्षमता थी। वे व्यावहारिकता को पहचानते थे, उसकी कीमत पहचानते थे। वे कभी भी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे, बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों पर चलाते थे। वे सोने में ताँबा नहीं, बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। गांधी जी ने सत्याग्रह आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन व दांडी मार्च जैसे आंदोलनों का नेतृत्व किया तथा सत्य और अहिंसा जैसे शाश्वत मूल्य समाज को दिए। भारतीयों ने गांधी जी के नेतृत्व से आश्वस्त होकर उन्हें पूर्ण सहयोग दिया। इसी अद्‌भुत क्षमता के कारण ही गांधी जी देश को आज़ाद करवाने में सफल हुए थे।	2
ग-	**उत्तर-**देश में अलग-अलग अनेक स्थानों पर राजा एवं नवाब कंपनी का विरोध कर रहे थे। जब लेफ़्टीनेंट ने देखा कि वज़ीर अली, टीपू सुल्तान तथा बंगाल के नवाब शमसुद्दौला ने बाहरी देशों जैसे अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दे दी है, तो उसे ऐसा लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है अर्थात् हिंदुस्तान में चारों ओर से	2

	कंपनी के खिलाफ युद्ध की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं।	
घ-	**उत्तर-** वे अपने छोटे भाई का हितैषी थे और उसे अच्छाई की ओर प्रेरित करते थे। वे अपने छोटे भाई के सामने हमेशा अच्छा उदाहरण पेश करना चाहते थे। वे वाक्पटु थे और उदाहरणों के ज़रिए बात समझाने में भी निपुण थे वे अपने कर्तव्य को बखूबी निभाते थे। वे अनुशासित रहते थे और अपनी इच्छाएँ दबा लेते थे।	2
9	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए।**	**5**
क-	(i) धरती को	1
ख-	(iii) देश के लिए	1
ग-	(iii) जो देश के लिए खून न बहाए	1
घ-	(iv) सुंदरता और प्रेम को	1
ङ०-	(iv) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं। तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
10	**काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए।**	**6**
क-	आत्मत्राण. कविता में कोई सहायक न मिलने पर कवि यह प्रार्थना करता है कि तब भी उसका बल-पौरुष हिलना नहीं चाहिए अर्थात् वह सहायक की अनुपस्थिति में भी केवल अपने बलबूते पर संघर्ष कर सकता है। वह अपनी मानसिक शक्ति को बनाए रखना चाहता है।	2
ख-	कवि इस कविता द्वारा मानवता, प्रेम, एकता, दया, करुणा, परोपकार, सहानुभूति, सदभावना और उदारता का संदेश देना चाहता है। मनुष्य को नि:स्वार्थ जीवन जीना चाहिए। वर्गवाद, अलगाव को दूर करके विश्व बंधुत्व की भावना को बढ़ाना चाहिए।	2
ग-	'मेखलाकार' शब्द का अर्थ है-मंडलाकार करधनी के आकार के समान। यह कटि भाग में पहनी जाती है। पर्वत भी मेखलाकार की तरह लग रहा था जैसे इसने पूरी पृथ्वी को अपने घेरे में ले लिया है। कवि ने इस शब्द का प्रयोग पर्वत की विशालता और फैलाव दिखाने के लिए किया है।	2
घ-	वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में गौरैया कहती हैं कि कितनी भी बड़ी हो तोप, एक दिन तो होना ही है उसका मुंह बंद. इस कविता के ज़रिए कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि कोई भी चीज़ कितनी भी बड़ी और ताकतवर क्यों न हो, उसकी दशा एक समान नहीं रहती. उसका मुंह एक दिन बंद होना ही है.	2
11.	**पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए-**	**6**
क-	इस कहानी में हरिहर काका के साथ उनके भाइयों और ठाकुरबाड़ी के महंत ने अमानवीय व्यवहार किया। हरिहर काका की ज़मीन हड़पने के लिए उनके भाई और महंत ने उनका अपहरण करवाया।	3

	हरिहर काका के भाइयों और महंत ने ज़मीन नाम न करने पर उन्हें बेरहमी से पीटा। हरिहर काका के साथ हुए इस दुर्व्यवहार से पता चलता है कि आज लोग स्वार्थ के लिए रिश्ते-नातों और पद की मर्यादा को भूल जाते हैं। कहानी में दिखाए गए घटनाक्रमों से यह भी पता चलता है कि धार्मिक संस्थाओं में भी महंत जैसे लालची और स्वार्थी लोग रहते हैं।	
ख-	आजकल के अध्यापकों को बच्चों की भावनाओं को समझने और उन्हें स्नेह से पढ़ाने की सिखाई जाती है। बच्चों को उनकी गलती का एहसास कराया जाता है, लेकिन उन्हें दंड नहीं दिया जाता। बच्चों के साथ मित्रता और ममता का व्यवहार किया जाता है। शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाता है कि वे अनुशासन प्रक्रियाओं के लिए स्कूल के दिशानिर्देशों का पालन करें। शिक्षकों को निष्पक्ष, सकारात्मक, और सुसंगत रहना चाहिए।	3
ग-	टोपी शुक्ला कहानी हमें हमारी परम्परा सभ्यता के अनुसार भारत की विविधता में एकता को और जोड़ने का संदेश देती है। जाति और धर्म से ऊपर उठकर एक साथ रहने का संदेश देती है। इन्सान में इन्सानियत होनी चाहिए धर्म, जाति, भगवान ने नहीं बनाई यह हमने बनाई है। हमें परस्पर सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखना चाहिए।	3
	खंड- घ (लेखन कौशल)	
12	**लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन-** भूमिका -1 विषय -वस्तु -3 भाषा-1	**5**
13	**लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन-** आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -1 विषय -वस्तु -3 भाषा-1	**5**
14	**लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन-** प्रारूप -1 विषय -वस्तु -2 भाषा-1	**4**

15	**लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन लेखन-** विषय -वस्तु -1 प्रस्तुति -1 भाषा -1	**3**
16	**लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन-** विषय -वस्तु -3 रोचकता -1 भाषा -1 **अथवा** **लगभग 100 शब्दों में ई -मेल लेखन-** प्रारूप -1 विषय -वस्तु -3 भाषा-1	**5**